## 'आई.आई.एस. के नन्हें कहानीकारों ने जमाया रंग'

अवसर था कहानी की कार्यषाला का। कक्षा एक, दो तथा तीन के सी.पी.पी. एवं सी.बी.एस.सी. के छोटे–छोटे छात्रों ने पहले तो 'राजकुमारी व मटर का दाना' कहानी का आनंद उठाया फिर दूसरी कहानी के अंत को अपनी कल्पनाषक्ति के माध्यम से नये–नये तर्क देकर पूर्णता प्रदान की।

तत्पश्चात् दो–दो छात्रों ने मिलकर अपनी–अपनी कहानी बनाकर सृजनात्मकता का परिचय दिया। कहानी भी ऐसी जो आधुनिकता के रंग में रंगी हुई थी और छात्रों ने कहानी की सीख या संदेष तक स्पष्ट रूप से बताकर सभी का दिल जीत लिया।

हिन्दी विभाग की ओर से आयोजिमत कार्यषाला का संचालन आई.बी.डी.पी. जूनियर, सीनियर के छात्रों ने किया था।